

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

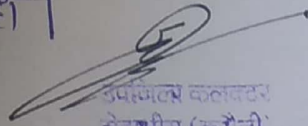
मु.नं 37/17 तारीख 2 जून 14.6.17

उपवाज - रघुनाथ बनाम भवानी कौं
ठाणी सैनपुर

प्रार्थना पत्र आस्थायी निषेधाज्ञा

प्रार्थी की ओर से श्री सुरेश चन्द शर्मा एडवोकेट ने प्रार्थना पत्र आस्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212 Cr.P.C. पेश किया। जमा बन्दी का अवलोकन किया गया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी गण को नरिये नोटिस से तालब कर दिनांक 7-7-17 को पेश हो।

2368-72
14.6.17



उपजिला कलेक्टर
टोडाभीम (करौली)

7.7.17

प्रार्थी वकील उपस्थित। अप्रार्थी नं. 1 ता. 4 की ओर से श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा ANJ ने वकालतनामा पेश किया। अप्रार्थी नं. 5 बाबजूद उपस्थित नहीं है। P.O. का कैंप में पधारे हैं। आर्डर दि. 28.7.17 को पेश हो।

28.7.17

वकुलाय उप०। अप्रार्थी नं. 5 के विरुद्ध एक पक्षीय कार्रवाई की जाती है। जब पेश करे दि. 7.9.17 को पेश हो।


उपजिला कलेक्टर
टोडाभीम

यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

23-3-19 वकूलाय उप०/ बहस हेतु समय पाहा/ दिनांक 23-3-19 को पेश हो।
 कोसे बहस दिनांक 23-3-19 को पेश हो।

23-3-19
 वकूलाय उपस्थित/पीठासन अधिकारी चुनाव की ड्रिंगिंग में
 जयपुर है। अतः पत्रावली गतबुसार
 दिनांक 1-4-19 को पेश हो।

1-4-19
 वकूलाय उप०/ बहस हेतु दिनांक 2-4-19 को पेश हो।

2-4-19
 पत्रावली पेश हुई। बार की ओर से काय स्थगन
 रखा गया है। पीठासन अधिकारी कौली प्रधार
 है। गतबुसार दिनांक 2-4-19 को पेश हो।

9-4-19 वकूलाय उपस्थित/पीठासन अधिकारी चुनाव
 काय स्थगन है। अतः पत्रावली गतबुसार
 दिनांक 2-5-19 को पेश हो।

28-5-19
 वकूलाय उप०/ बहस हेतु समय पाहा/ पत्रावली
 दिनांक 28-5-19 को पेश हो।

28-5-19
 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित।
 प्रकरण प्राथी वकील ने बहस प्रारम्भ करते हुए
 प्रार्थना पत्र में वर्णित लक्ष्य को दोहाय 8 किगाभ
 कमालपुरा लिखत भूमि खसरा नम्बर 2477 रकबा
 1.90 है, 2479 रकबा 0.50 है, कुल कित्ता 2
 कुल रकबा 2.40 है। साथल हिस्सा 1/3 तथा
 गैरसाथल नं. 1, 2 प्रत्येक 1/3-1/3 हिस्से के
 स्वामिदार काश्तकार हैं। उक्त आराजीयात के साबिक

9-4-19

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभी

दिनांक	फर्द अहकाम
	<p>खसरा नम्बर 2003/2/2 है। पूर्व खातेदार जगदीश महाजन से सायल के ससुरा किसन्याने भूमि खरीद की थी। सायल की पत्नि के नाम बेचान नामा कर कब्जा कराकर गांव कौलाई चला गया। किसन्या की मृत्यु के बाद उक्त आराजीपात विरासत से तीन पुत्रों कमोद, रामसिंह, रामजीलाल के नाम आ गई। रामजीलाल की मृत्यु के बाद उसके किरासत के नाम आ गई एवं उनके मन में बदयान्ति आ गई। और हमारे नाम रजिस्ट्री नहीं कराई। गैरसायलान में कहा कि हमें हमारे नाम रजिस्ट्री करा ली है। हम काशत केलेंगे। कब्जा हमारा ही आराजीपात की खातेदारी हमारे नाम करने के अधिकारी ही इसलिए गैरसायलान को अस्थाधी निवेद्यारा से पाबन्द को पाबन्द फरमाया जाये। वकील गैरसायलान ने जबब प्रार्थना पत्र में बर्णित तथ्यों को दोहराया कहा कि किसन्याने सायल की पत्नि के नाम वाता बेचान नामा रिलावा है, नाहि कब्जा कराया है। माहि इन्होंने कभी काशत की है गैरसायलान-द्वारा खरीद की गई भूमि को जबल हडफे की गरज से यह गलत व भ्रूण दावा एवं प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। विवाद गुस्त आराजीपात में हिस्सा 2/3 खरीदशुदा से सायल धारीग व्यक्तियों का कोई संबंध किसी प्रकार से नहीं है। तहसीलदार टोडाभी से ज्ञात रिपोर्ट मौका के अवलोकन से भी स्पष्ट है कि सायल हिस्सा 1/3 पर एवं गैरसायलान हिस्सा 2/3 पर का बिजली</p>

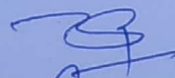
न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

इसलिए प्रार्थनापत्र अस्थाई निषेधाज्ञा लाया
स्वार्ज किया जोब।

बहस वकील उभयपक्ष पर ~~मजबूत~~ मजबूत
किया। पत्रावली, दावा पत्रावली में शामिल दस्तावेजों
का अवलोकन किया। एक अन्य प्रकटा इनवानी
अगवानी देवी वगैरे बनाम रघुनाथ कौं० प्रार्थना
पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा मुकदमा नम्बर 17/17
में भी निर्णय दिनांक 17.5.17 से उक्त आराजीयात
खं. नं. 2477 रकबा 1.90 है०, 2479 रकबा 0.50
कुल किता 2 कुल रकबा 2.40 है० पर रिकार्ड एवं
मौके की यथास्थिति बनाये रखने के लिए ~~पाबन्द~~ पाबन्द
है। अतः उभयपक्षान को दावा के फैसला
होने तक गाम कमालपुरा स्थित भूमि खसरा
नम्बर 2477 रकबा 1.90 है०, 2479 रकबा 0.50 है०
कुल किता 2.40 है० पर जमाबन्दी में दर्ज हिस्सा
के अनुसार रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने के
लिए पाबन्द किया जाता है। पत्रावली फैसल
शुमार होकर नम्बर से कम होकर दावा पत्रावली
के साथ संलग्न रहे।

निर्णय आज दिनांक 28.5.2019 को लिखाया
जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(दुर्गाप्रसाद मीना)
उपजिला कलक्टर
टोडाभीम (करौली)